Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to protect the interest of students falling prey to unrecognised universities and institutes mushrooming in the country - laid.

श्री सुमेधानन्द सरस्वती (सीकर): देश के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में स्व- मान्यताप्राप्त, गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान कार्य कर रहे हैं । ये फर्जी संस्थान सीधे साधे छात्रों को चंगुल में फंसाकर उनके साथ विश्वासघात करते हैं । उनकी डिग्रियां सरकार द्वारा नहीं मानी जाती हैं जिससे उनका समय और पैसे दोनों बर्बाद हो जाते हैं । मेरा सरकार से निवेदन है कि ऐसे फर्जी, स्वयंभू और गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से सीधे साधे छात्रों को चंगुल से बचाने की कृपा करें ।